'ब्रांड यूपी' का यूएन में भी बजा डंका

महिला अफसर ने दुनिया को बताया, योगी राज में कैसे बदला उत्तर प्रदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तम नीतियों, नवाचार क्रांति, एआई व भविष्य आधारित तकनीक के इस्तेमाल से सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने वाला देश का अग्रणी राज्य बन गया है। यही कारण है कि न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन द्वारा विश्व के सामने भारत की 'ग्राउंडब्रेकिंग डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन' का खाका पेश किया गया जिसमें भारत के राज्यों में से केवल यूपी को वरीयता मिली। यहां 'ब्रांड यूपी' को प्रमोट करने के साथ आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की विशेष सचिव नेहा जैन ने 'उत्तर प्रदेश: डिजिटल व समावेशी विकास में ग्लोबल साउथ का भागीदार' विषय पर 27 से अधिक देशों की उपस्थिति में योगी सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने आयोजन में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे द्वीपीय देशों में एआई व अन्य तकनीकों के

इस्तेमाल से गवर्नेंस समेत विभिन्न पहलुओं में पारदर्शिता बढ़ाने को लेकर यूपी की सहभागिता और प्रतिनिधित्व का खाका पेश किया। साथ ही, दिग्गज वैश्विक संस्थाओं के सामने उत्तर प्रदेश को 'मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन' के तौर पर प्रोजेक्ट करते हुए प्रदेश में नए अवसरों पर मिलकर कार्य करने का आमंत्रण भी दिया। यूएन में भारत के स्थायी मिशन द्वारा आयोजित एक दिनी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों को उल्लेखित करते हुए ओडीओपी, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में आईटी कोलैबरेशन, इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग व सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम, इनोवेशन रिसर्च व डेवलपमेंट में पार्टनरशिप, एक्सेस-लॉजिस्टिक्स व निवेश गंतव्य के उत्तर प्रदेश की सफलताओं पर फोकस किया। इसके साथ ही, इन विषयों में उत्तर प्रदेश के मॉडल से ली जा सकने वाली सीख तथा भविष्य आधारित तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में मिलकर काम करने जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान, सबसे ज्यादा एयरपोर्ट्स व हाइवे वाले प्रदेश, वर्ष 2027 तक एक ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने वाले प्रदेश, बड़े आईटी हब, इंजीनियर्स वर्कफोर्स, 350 से अधिक कार्यरत आईटी व आईटीईएस कंपनियों के गढ़, देश के 60 प्रतिशत मोबाइल कॉम्पोनेंट्स के निर्माता तथा एशिया के निर्माणाधीन सबसे बड़े एयरपोर्ट के तौर पर उत्तर प्रदेश की मजबूत स्थिति को दर्शाया गया।